| | |
|---|---|
| दंग रह जाना | चकित हो जाना। |
| दंगल बांधना | हल्का बांधना। |
| दंगल मारना | कुश्ती जीतना। |
| दंगल में उतरना | कुश्ती लड़ने के लिए अखाड़े में आना। |
| दंगल लड़ना | कुश्ती जीतना। |
| दंड ग्रहण करना | सन्यास लेना। विरक्त या सन्यासी हो जाना। |
| दंड डालना | जुर्माना करना। अर्थ-दण्ड लगाना। कर लगाना। महसूल लगाना। |
| दंड पड़ना | हानि होना। घाटा होना। |
| दंड भरना | जुर्माना देना। दूसरे के नुकसान को पूरा करना। |
| दंड भुगतना | सजा अपने ऊपर लेना। दण्ड सहना। जान-बूझ कर व्यर्थ कष्ट उठाना। |
| दंड सहना | हानि उठाना। घाटा सहना। |
| दई का खोया | ईश्वर का मारा हुआ। अभागा। मंदभाग्य। |
| दई का घाला | ईश्वर का मारा हुआ। अभागा। उ०- जननी कहत, दई को घालो। काहे को इतराति। सूर। |
| दई का मारा | ईश्वर का मारा हुआ। अभागा। मंदभाग्य। उ०- दूध दहो नहिं लेव री। कहि कहि पचि हारी। कहति, सूर कोऊ घर नाहीं, कहं गइ दइमारी ? सूर। |
| दई दई | हे देव, हे देव। रक्षा के लिए ईश्वर की पुकार। उ०- (क) दई दई आलसी पुकारा। तुलसी। (ख) दीरघ सांस न लेहि दुख सुख साईंहिं न भूल। दई दई क्यों करत है दई दई सो कबूल। बिहारी। |
| दकीका उठा न रखना | कोई कसर न छोड़ना। |
| दकीका बाकी न छोड़ना | कोई कसर न छोड़ना। |
| दखल देना | बीच में बोलना। हस्तक्षेप करना। |

| | |
|---|---|
| दत्तक लेना | किसी दूसरे के पुत्र को गोद लेकर अपना पुत्र बनाना। |
| दफ्तर खोलना | सविस्तर वृत्तान्त कह सुनाना। |
| दफा दफान करना | तिरस्कृत करके दूर करना या हटाना। |
| दफा लगना | विधि की किसी विशेष धारा या नियम के अनुसार अभियुक्त ठहराया जाना। |
| दफा लगाना | अभियुक्त पर किसी दफा के नियमों को घटाना। अप-अपराध का प्रमाण आरोपित करना। |
| दबकी मारना | छिप जाना। अदृश्य हो जाना। |
| (हाथ)दबा होना | खर्च के लिए रुपये की कमी होना। |
| दबाव डालना | प्रभावित करना। |
| दबी आवाज | धीमी आवाज। |
| दबी जबान से कहना | डरते डरते अस्पष्ट शब्दों में कहना। अस्पष्ट रूप से बोलना। साफ साफ न कहना। |
| दबे दबाये रहना | शान्तिपूर्वक या चुपचाप रहना। उपद्रव या कोई कार्यवाही न करना। |
| दबे पांव | इस प्रकार कि किसी को पैर की आहट मालूम न हो। आहिस्ता। चुपके। |
| दबे पांव आना | धीरे धीरे आना। |
| दबे हाथ खर्च करना | कम खर्च करना। |
| दबे होना | किसी के वश या आधीन होना। |
| दम अटकना | सांस रुकना, विशेषत: मरने के समय सांस रुकना। |
| दम उखड़ना | सांस रुकना। गाते गाते या बात करते करते स्वर भंग होना। दम निकलना। प्राण निकलना। |
| दम उलझना | जी घबराना। व्याकुलता होना। |
| दम उलटना | व्याकुलता होना। घबराहट होना। जी घबराना। हवा की कमी के कारण सांस रुकना। सांस न लिया जा सकना। |

दम खाना — विश्राम करना। ठहरना। सुस्ताना। किसी पदार्थ का बंद मुंह के बरतन में भीतरी भाफ की सहायता से पकाया जाना। धोखे में आना। धोखा खाना। तंग करना।

दम खींचना — चुप्पी साधना। न बोलना। सांस खींचना। सांस ऊपर चढ़ाना।

दम खुश्क होना — अत्यधिक भय के कारण बिल्कुल चुप हो जाना। प्राण सूखना। भय के मारे स्तब्ध होना।

(किसी का) दम गनीमत होना — (किसी के) जीवित रहने के कारण कुछ न कुछ अच्छी बातों का होता रहना। गयी बीती दशा में किसी के कार्यों का ऐसा होना जिसमें उसका आदर हो सके।

दम घुटना — हवा की कमी के कारण सांस न लिया जा सकना। श्वास-प्रश्वास क्रिया का बंद होना।

दम घोंटकर मारना — गला दबाकर मारना। बहुत कष्ट देना।

दम घोंटना — सांस न लेने देना। किसी को सांस लेने से रोकना। बहुत कष्ट देना।

दम चढ़ना — अधिक परिश्रम के कारण सांस का जल्दी जल्दी चलना। हांफना। दमे के रोग का दौरा होना।

दम चुराना — जान-बूझकर सांस रोकना। जी चुराना। जान बचाना। बहाना करके काम करने से अपने आपको बचाना। श्वास को इस प्रकार रोक लेना कि शरीर जड़वत् मालूम हो।

दम टूटना — सांस बंद हो जाना। प्राण निकलना। दौड़ने या तैरने आदि से अधिक श्रांत होकर हांफने लगना।

दम तोड़ना — मर जाना। मरते समय झटके से सांस लेना। अन्तिम सांस लेना। ~~आसक्तिवश किसी से विमुक्त होने पर जान जाने का सा अत्यधिक कष्ट होना।~~

दम देना — किसी अधपकी चीज को पूरी तरह से पकाने के लिए उसे हलकी आंच पर रखकर उसका मुंह बंद कर देना, जिसमें वह अच्छी तरह से पक जाय। बहकाना। धोखा देना। फुसलाना। थोड़ासमय शांत और तैयार होने क देना। उ०- जो छोटे कैटो न दे दम मफे।

| | |
|---|---|
| दम न मारना | न बोलना। कुछ न कहना। |
| दम नाक में आना | अत्यधिक दुखी होना। बहुत तंग या परेशान होना। |
| दम नाक में करना | बहुत कष्ट या दुःख देना। बहुत तंग या परेशान करना। |
| दम निकलना | मृत्यु होना। मरना। |
| दम पकना | निरन्तर परिश्रम के कारण ऐसा अभ्यास होना कि जिसमें सांस न फूले। (कुश्तीबाज) |
| दम पर आ बनना | जान पर आ बनना। प्राण भय होना। आपत्ति आना। आफत आना। हैरानी होना। व्यग्रता होना। |
| दम पर आना | किसी पदार्थ के पकने में केवल इतनी कसर रह जाना कि थोड़ा दम देने से वह अच्छी तरह पक जाय। पक कर तैयारी पर आना। |
| दम पर दम | प्रतिक्षण। बार बार। जल्दी जल्दी। |
| दम फड़क उठना | किसी चीज की सुन्दरता या गुण आदि देखकर चित्त का बहुत प्रसन्न होना। |
| दम फड़कना | चित्त का व्याकुल होना। बेचैनी होना। |
| दम फ़ना होना | अत्यधिक भय के कारण बिल्कुल चुप हो जाना। बहुत डर के कारण सांस तक न लेना। प्राण सूखना। भय के मारे स्तब्ध होना। मर जाना। |
| दम फूलना | अधिक परिश्रम के कारण सांस का जल्दी जल्दी चलना। दमे के रोग का दौरा होना। |
| दम बंद करना | बलपूर्वक किसी को बोलने आदि से रोकना। |
| दम बंद होना | भय या आतंक आदि के कारण बिलकुल चुप रह जाना |
| दम-ब-दम | प्रतिक्षण। बार बार। |
| दम भरना | किसी के प्रेम अथवा मित्रता आदि का पक्का भरोसा रखना और समय समय पर अभिमान पूर्वक उसका वर्णन करना। परिश्रम या दौड़ने आदि के कारण सांस फूलने लगना और थकावट आ जाना। किसी को |

| | |
|---|---|
| | कुश्ती लड़कर थकाना। किसी स्वर का देर तक उच्चारण करते रहना। |
| दम मारना | विश्राम करना। सुस्ताना। बोलना। कुछ कहना। हस्तक्षेप करना। दखल देना। गांजा या चरस आदि को चिलम पर रखकर उसका धुंआ खींचना। मंत्र आदि की सहायता से झाड़ फूंक करना। |
| दम में आना | धोखे में पड़ना। जाल में फंसना। |
| दम में दम आना | घबराहट या भय का दूर होना। चित्त स्थिर होना। |
| दम में दम रहना | प्राण रहना। जिन्दगी रहना। उ०- नहि दूंगा जानकी जब लौ दम में दम। |
| दम में दम होना | जान रहना। प्रणरह प्राण रहना। |
| दम में लाना | बहकाना। फुसलाना। धोखा देना। |
| दम लगना | गांजे या चरस का धुंआ खींचना। |
| दम लगाना | गांजे या चरस आदि को चिलम पर रखकर उसका धुंआ खींचना। |
| दम लेना | विश्राम करना। ठहरना। सुस्ताना। |
| दम साधना | श्वास की गति को रोकना। सांस रोकने का अभ्यास करना। चुप होना। मौन रहना। |
| दम सूखना | अत्यधिक भय के कारण बिलकुल चुप हो जाना। बहुत डर के कारण सांस तक न लेना। प्राण सूखना। भय के मारे स्तब्ध होना। |
| दम सूली पर होना | बहुत परेशान होना। जान खतरे में होना। |
| दम होंठों पर आना | मरने की स्थिति में होना। मरणासन्न होना। |
| दम होना | भाफ से पकना। |
| दमड़े करना | बेचकर दाम खड़ा करना। |
| दमड़ी के तीन होना | बहुत सस्ता होना। कौड़ियों के मोल होना। |

| | |
|---|---|
| दर उठाना | विश्वास या प्रतिष्ठा न रहना। |
| दर गुज़रना | छोड़ देना। बाज आना। क्षमा कर देना। |
| दर दर मारा फिरना | कार्य सिद्धि या पेट पालने के लिए एक घर से दूसरे घर फिरना। दुर्दशाग्रस्त होकर घूमना। उ०- ये रहीम दर दर फिरैं। रहीम। |
| दर न होना | आदर या विश्वास न होना। |
| दरक दरक कर रोना | फूट फूट कर रोना। अत्यधिक विलाप करना। |
| दरखास्त गुज़रना | प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया जाना। |
| दरखास्त पड़ना | प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया जाना। |
| दरगुजर करना | टालना। हटाना। |
| दरपेश होना | उपस्थित होना। सामने आना। |
| दरबार करना | राजसभा में बैठना। |
| दरबार खुलना | दरबार में जाने का आदेश मिलना। |
| दरबार बंद होना | दरबार में जाने की रोक होना। |
| दरबार बांधना | घूस बांधना। रिश्वत मुकर्रर करना। मुंह भरना। |
| दरबार लगना | राजसभा के सभासदों का एकत्र होना। |
| दरवाजे की मिट्टी खोद डालना | बार बार दरवाजे पर आना। |
| दरवाजे पर हाथी झूमना | इतना सम्पन्न होना कि हाथी पाल सके। उ०- झूमत द्वार अनेक मतंग जंजीर जड़े मद अंबु चुवाते। तुलसी। |
| दरांती पड़ना | कटौनी पड़ना। कटाई आरम्भ होना। |
| दरिया को कूजे में बंद करना | थोड़े में बहुत कह जाना। |
| दर्जा उतारना | ऊंचे दर्जे से नीचे दर्जे में कर देना। |
| दर्जी की सुई | हर काम का आदमी। |
| दर्द आना | कष्ट मालूम होना। |
| दर्द उठना | दर्द उत्पन्न होना। |

| | |
|---|---|
| दर्द करना | (किसी अंग का)पीड़ित या व्यथित होना। |
| दर्द खाना | कष्ट सहना। पीड़ा सहना। तरस खाना। दयार्द्र होना। |
| दर्द खोंचना | औषधि आदि का दर्द दूर करना। |
| दर्द लगना | पीड़ा आरम्भ होना। |
| दर्शन देना | देखने में आना। अपने को दिखाना। प्रत्यक्ष होना। |
| दर्शन पाना | (किसी का)साक्षात्कार करना। देखना। |
| दर्शन मिलना | साक्षात्कार होना। |
| दर्शनी हुंडी | वह हुंडी जिसके दिखाते ही रुपये चुकता कर देने का नियम हो। |
| दलक उठना | कंपित हो उठना। क्षुब्ध हो जाना। |
| दलदल में फंसना | कीचड़ में फंसना। ऐसी कठिनाई में फंस जाना जिससे निकलना दुस्तर हो। मुश्किल या दिक्कत में पड़ना। जल्दी खतम या तै न होना। अनिर्णीत रहना। खटाई में पड़ना। |
| दलना मलना | चूर्ण करना। पीस कर टुकड़े टुकड़े करना। उ०- रन मत्त रावण सकल सुभट प्रचंड भुजबल दलमलैं। तुलसी। मसलना हाथों से रगड़ना। घिसना। |
| दलबादल खड़ा होना | बड़ा भारी शामियाना या खेमा गड़ना। |
| दलेल बोलना | सजा के लिए कड़ी कवायद का आदेश देना। |
| दवा को न मिलना | थोड़ा सा भी न मिलना। अप्राप्य होना। दुर्लभ होना। |
| दस्तक देना | बुलाने के लिए किवाड़ खटखटाना। |
| दस्तक बांधना | व्यर्थ का व्यय ऊपर डालना। नाहक का खर्च जिम्मे करना। |
| दस्तक माफ़ करना | किसी को उसके उत्तरदायित्व या भार से मुक्त करना। क्षमा करना। |
| दस्तबरदार होना | बाज आना। किसी वस्तु पर का अपना अधिकार छोड़ देना। त्याग देना। छोड़ देना। |
| दहलीज का कुत्ता | पिछलग्गू। पालतू कुत्ता। मुफ़्तखोर। |

| | |
|---|---|
| दांत गड़ाना | दांत धंसाना। लेने को गहरी चाह रखना। प्राप्ति के प्रयत्न में रहना। लेने को घात में रहना। |
| दांत चबाना | क्रोध से दांत पीसना। कोप प्रकट करना। उ०- दांत चबात चले मधुपुर तें धाम हमारे को। सूर। |
| दांत जमना | दांत निकलना। |
| दांत झड़ना | दांत का टूट कर गिरना। |
| दांत झाड़ देना | दांत तोड़ डालना। कठिन दण्ड देना। |
| दांत टूटना | दांत का गिरना। बुढ़ापा आना। |
| दांत तले उंगली दबाना = अचरज में [illegible] | |
| दांत तोड़ना | परास्त करना। हैरान करना। कठिन दण्ड देना। |
| दांत दिखाना | हंसना। डराना। घुड़कना। अपना बड़प्पन दिखाना। |
| दांत न लगाना | दांतों से न कुचलना। |
| दांत निकलना | बच्चों के दांत प्रकट होना। दांत जमना। |
| दांत निकालना | दांत उखाड़ना। व्यर्थ हंसना। गिड़गिड़ाना। दीनता दिखाना। डर या घबराहट से ठक रह जाना। फट जाना। उघड़ना। टें बोल जाना। |
| दांत निपोरना | फट जाना। उघड़ना। व्यर्थ हंसना। |
| दांत पर न रखा जाना | खटाई के कारण दांतों को सह्य न होना। अत्यन्त खट्टा होना। |
| दांत पर मैल न होना | अत्यन्त निर्धन होना। भुक्खड़ होना। |
| दांत पीसना | अत्यधिक क्रुद्ध होना। दांत किटकिटाना। क्रोध प्रकट करना। |
| दांत पैनाना | कोई चीज पाने के लिए उस पर निगाह रखना। दांत गड़ाना। |
| दांत बजना | सर्दी से दांतों का किटकिटाना। |
| दांत बजाना | दांत पर दांत पीसना। दांत किटकिटाना। |
| दांत बैठना | बेहोशी के कारण नीचे ऊपर के दांतों का बैठ जाना। |

| | |
|---|---|
| दांत मसमसाना | दांत पर दांत रख कर हिलाना। दांत किटकिटाना। |
| दांत रखना | लेने की गहरी चाह रखना। प्राप्ति के प्रयत्न में रहना। दंश रखना। किसी के प्रति क्रोध या द्वेष का भाव रखना। वैर लेने का विचार रखना। |
| दांत लगना | किसी वस्तु के लिए अत्यधिक लालायित होना। |
| दांत लगाना | दांत धंसना। दांत चुभने का घाव होना। लेने की गहरी चाह होना। प्राप्ति की चिन्ता होना। लेने की घात में रहना। |
| दांत से दांत बजाना | सर्दी के कारण दांतों का किटकिटाना। |
| दांत होना | गहरी चाह होना। लेने या पाने की अत्यन्त इच्छा होना। प्राप्ति की इच्छा होना। किसी के प्रति क्रोध या द्वेष का भाव होना। किसी से वैर लेने का संकल्प होना। |
| दांतों उंगली काटना | अचरज में आना। चकित होना। दंग रहना। खेद प्रकट करना। अफसोस करना। संकेत से किसी बात का निषेध करना। इशारे से मना करना। |
| दांतों चढ़ना | किसी के आक्षेप आदि का लक्ष्य होना। किसी को खटकना। बुरी नजर का निशान बनना। टोंक में आना। आंख में चुभने लगना। |
| दांतों चढ़ाना | किसी पर आक्षेप करते रहना। बुरी दृष्टि से देखना। पीछे पड़ा रहना। नजर लगाना। |
| दांतों तले उंगली दबाना | अचरज में आना। चकित होना। दंग रहना। खेद प्रकट करना। अफसोस करना। संकेत से किसी बात का निषेध करना। इशारे से मना करना। |
| दांतों धरती पकड़कर | अत्यन्त दरिद्रता और कष्ट से। बड़ी कठिनाई से। |
| दांतों पर रखना | चखना। मुंह में डालना। |
| दांतों पर होना | उस अवस्था को पहुंचना जिसमें दांत निकलने वाले हों |
| दांतों पसीना आना | कठिन परिश्रम पड़ना। |

| | |
|---|---|
| दांतों में उंगली देना | चकित होना। अचम्भे में आना। |
| दांतों में जीभ सा होना | वैरियों के बीच रहना। शत्रुओं से प्रतिक्षण घिरा रहना। |
| दांतों में तिनका पकड़ना | विनती करना। कृपा के लिए दीनतापूर्वक विनय करना। गिड़गिड़ाना। उ०- दसन गहहु तिन कंठ कुठारी। रामा० |
| दांतों में तिनका लेना | दया के लिए बहुत विनती करना। दण्ड आदि से छुटकारा पाने के लिए बहुत गिड़गिड़ाना। बहुत अधीरता और विनय से क्षमा चाहना। |
| दांतों से उठाना | बड़ी कंजूसी से उठाकर रखना। कृपणता से संचित करना। |
| दांती बैठना | जबड़ों का परस्पर सट जाना। कच्चा बैठना। |
| दांती लगना | जबड़ों का परस्पर सट जाना। कच्चा बैठना। |
| दाई से पेट छिपाना | जानने वाले से कोई बात छिपाना। |
| दाएँ होना | अनुकूल या प्रसन्न होना। |
| दाखिल करना | देना। अदा करना। भर देना। जमा करना। |
| दाखिल होना | अदा या जमा किया जाना। |
| दाग़ लगाना देना | मृतक का दाह कर्म करना। |
| दाग़ लगाना | कलंकित करना। कलुषित करना। |
| दाढ़ गरम होना | खाना खाने में आना। |
| दाढ़ न लगाना | दांत से न कुचलना। |
| दाढ़ मार कर रोना | खूब चिल्ला चिल्लाकर रोना। |
| दाढ़ा फूंकना | दाह उत्पन्न करना। |
| दाद चाहना | किसी अत्याचार के प्रतिकार की प्रार्थना करना। |
| दाद देना | न्याय करना। उ०- देव तो दयानिकेत देत दादि दीन को पै मेरिये अभाग मेरी बात नाथ ढील की। तुलसी। सराहना। वाह वाह करना। |
| दाना पानी उठना | जीविका न रहना। रोज़ी लुप्त होना। |
| दाना पानी छूटना | रोग के कारण कुछ खाया पीया न जाना। |

| | |
|---|---|
| दाना-पानी छोड़ना | अन्न जल ग्रहण न करना। न कुछ खाना न कुछ पीना। उपवास करना। |
| दाना बदलना | एक पक्षी का अपने मुंह का दाना दूसरे पक्षी के मुंह में डालना। चारा बांटना। |
| दाना भराना | चिड़ियों का अपने बच्चों के मुंह में चारा डालना। |
| दाने का माल | वह बर्तन जिसकी नक्काशी उभारी नहीं जाती। क |
| दाने दाने को तरसना | अन्न का कष्ट सहना। भोजन न पाना। भूखों मरना। |
| दाने दाने को मुहताज | अत्यन्त दरिद्र। |
| दाब दिखाना | अधिकार जताना। डर दिखाना। प्रभुत्व प्रकट करना। |
| दाब मानना | किसी बड़े से डरना या सहमना। प्रभुत्व स्वीकार करना। वश में रहना। |
| दाब में रखना | शासन में रखना। द |
| दाब में लाना | शासन के अन्तर्गत करना। वश में करना। |
| दाब में होना | वश में होना। अधीन होना। |
| दाम उठना | किसी वस्तु का मूल्य वसूल हो जाना। बिक जाना। |
| दाम करना | (किसी वस्तु का) मोल ठहराना। मूल्य निश्चित करना कीमत तै करना। मोल भाव करना। |
| दाम के दाम पर | मूल्य पर। बिना लाभ के। |
| दाम खड़ा करना | मूल्य वसूल करना। मूल्य भर ले लेना। |
| दाम चुकाना | मूल्य दे देना। कीमत ठहराना। मोल भाव तै करना। |
| दाम दाम भर देना | कौड़ी कौड़ी ले लेना। कुछ बाकी न छोड़ना। |
| दाम देने आना | मूल्य देने के लिए विवश होना। किसी वस्तु को नष्ट करने पर उसका मूल्य देना पड़ना। नुकसानी देना पड़ना। |
| दाम भर पाना | सारा मूल्य पा जाना। |
| दाम भरना | किसी वस्तु को नष्ट करना, पर दण्ड स्वरूप उसका मूल्य दे देना। नुकसानी देना। डांड़ देना। |

| | |
|---|---|
| दामनगीर होना | पीछे लगना। ऊपर आ पड़ना। ग्रसना। घेरना। |
| दायर करना | निर्णय के लिए वाद न्यायालय में प्रस्तुत करना। व्यवहार या अभियोग उपस्थित करना। |
| दायर होना | पेश होना। उपस्थित किया जाना। |
| दायां बायां न जानना | भला बुरा न जानना। उ०- दाहिन बाम न जानौ क कोउ। |
| दायां बोलना | तीतर का दाहिने हाथ की ओर बोलना जो चोरों के लिए अच्छा शकुन समझा जाता है। |
| दायें होना | अनुकूल या प्रसन्न होना। |
| दाल गलना | दाल का अच्छी तरह पक कर नरम हो जाना। दाल सीझना। (किसी का) प्रयोजन सिद्ध होना। मतलब निकलना। कार्य सिद्धि के लिए किसी युक्ति का चलना। इस मुहावरे का प्रयोग निषेधात्मक वाक्य में ही अधिकतर होता है। |
| दाल चप्पू होना | एक दूसरे से लिपटकर एक हो जाना। गुत्थमगुत्था होना। |
| दाल छूटना | झुरंड अलग होना। |
| दाल दलिया | सूखा-रूखा भोजन। गरीबों का सा खाना। |
| दाल बंधना | झुरंड पड़ना। अक्सा का एकत्र होकर पड़ना। |
| दाल में कुछ काला होना | कुछ खटके या सन्देह की बात होना। कुछ बुरा रहस्य होना। किसी बुरी बात का लक्षण दिखाई पड़ना। कोई दोष छिपा होना। |
| दाल रोटी | सादा खाना। सामान्य भोजन। |
| दाल रोटी चलना | खाना मिलना। जीविका निर्वाह होना। |
| दाल रोटी से खुश | खाने पीने से सुखी। खाता पीता। |
| दावं करना | घात लगाना। घात में बैठना। |
| दावं खेलना | चाल चलना। धोखा देना। |
| दांव चलना | अपनी बारी आने पर शतरंज की गोटी, ताश के पत्ते आदि को रखना। |

| | |
|---|---|
| दांव चूकना | अवसर को हाथ से जाने देना। अवसर खोना। |
| दांव ताकना | अवसर को ताक में रहना। मौका देखते रहना। |
| दांव देना | खेल में हारने पर नियत दण्ड भोगना या परिश्रम करना। उ० (क) खेलत संग अनुज बालक नित जोगवत अनट अपाउ। जीति हारि चुचकारि दुलारत देत दिवावत दाउं। तुलसी। (ख) तुमरे संग कहौ को खेले दावं देत नहिं करत रुनैया। सूर। चाल चलना। धोखा देना। |
| दांव पर चढ़ना | ऐसी स्थिति में होना जिससे किसी का काम निकल सके। किसी के अभिप्राय साधन के अनुकूल प्रवृत्त होना। इस प्रकार वश में होना कि दूसरा अपना मतलब निकाल ले। |
| दांव पर चढ़ाना | मतलब के अनुकूल करना। कार्य-साधन के लिए अनुकूल करना। |
| दावं पर रखना | रुपया पैसा या कोई वस्तु ~~दावं फेंकनेवाले के सामने रखना जिसमें यदि जीते तो उसे ले जाय और हारे तो उतना दे।~~ बाजी पर लगाना। |
| दावं पर लाना | कार्य साधन के लिए अनुकूल करना। कुश्ती में जोड़ को ऐसी स्थिति में करना कि उस पर पेंच हो सके। |
| दावं फेंकना | अपनी बारी आने पर पासा या जुये की कौड़ी आदि डालना। |
| दावं लगना | अवसर हाथ आना। अनुकूल संयोग मिलना। मौका मिलना। |
| दावं लगाना | अवसर की ताक में रहना। मौका देखते रहना। जुये में धन लगाना। बाजी पर लगाना। |
| दावं लेना | बदला लेना। प्रतिकार करना। उ०- असुर कुपित ह्वै कह्यौ बहुत तुम असुर संहारे। अब लैहौं वह दावं छाड़िहौं नहिं बिनु मारे। सूर। खेल में हारने वाले से नियत दण्ड भोगाना या परिश्रम कराना। |
| दावा जमाना | मुकदमा ठीक करना। हक साबित करना। |

| | |
|---|---|
| दावा खारिज होना | मुकदमा हारना। हक का साबित न होना। |
| दाहिना हाथ होना | बड़ा भारी सहायक होना। उ०- आजु भयो विधि दाहिन मोंहो। रामा० । |
| दाहिनी देना | दक्षिणावर्त परिक्रमा करना। ~~प्रदक्षिणा करना।~~ उ०- जटा भस्म तनु दहै वृथा करि कर्म बंधावै। पुहुमि दाहिनी देहि गुफा बसि मोहि न पावै। सूर । |
| दाहिनी लाना | प्रदक्षिणा करना। उ०- पंचवटी गोदहि प्रनाम करि कुटी दाहिनी लाई। तुलसी । |
| दाहिने होना | अनुकूल होना। हित की ओर प्रवृत्त होना। प्रसन्न होना उ०- पुनि बंदौं खल गन सति भाए। जे बिनु काज दाहिने बाएं। तुलसी । |
| दिन आना | समय पूरा हो जाना। अन्तिम समय आना। |
| दिन कटना | किसी तरह समय बीतना। |
| दिन काटना | समय बिताना। किसी तरह निर्वाह करना। |
| दिन को तारे दिखाई देना | इतना अधिक मानसिक कष्ट पहुंचना कि बुद्धि ठिकाने न रहे। दुःख की प्रबलता के कारण होश ठिकाने न रहना। |
| दिन को तारे नज़र आना | बहुत तेज नज़र होना। घोर अंधकार होना। |
| दिन को दिन न समझना | काम करने की धुन में अपने सुख या विश्राम का कुछ भी ध्यान न रखना। |
| दिन को रात कहना | उलटी बात कहना। |
| दिन गंवाना | वृथा समय खोना। |
| दिन गिनना | प्रतीक्षा करना। |
| दिन चढ़ना | सूर्योदय होना। सूर्य निकलने के उपरान्त कुछ और समय बीतना। किसी स्त्री का गर्भवती होना। दिन व्यतीत होना। |
| दिन चढ़ाना | सवेरे का समय बिताना। |

| | |
|---|---|
| दिन चढ़े | सबेरा होने के काफी देर बाद। |
| दिन छिपना | सुर्यास्त होना। सन्ध्या होना। |
| दिन डूबना | सुर्यास्त होना। सन्ध्या होना। |
| [दिन ढलना] | [सूर्यास्त होना। दिन डूबना।] |
| दिन ढलना | सन्ध्या का समय निकट आना। सुर्यास्त होने को होना। |
| दिन ढले | सन्ध्या को। |
| दिन दहाड़े | बिलकुल दिन के समय। ऐसे समय जब कि सब लोग जागते और देखते हों। खुले खजाने। |
| दिन दिन | नित्य प्रति। सदा। |
| दिन दूना रात चौगुना होना | बहुत जल्दी जल्दी और और बहुत अधिक बढ़ना। खूब उन्नति करना। |
| दिन दोपहर | बुलकुल दिन के समय। |
| दिन धरना | दिन ठहराना। दिन निश्चित करना। |
| दिन धराना | दिन स्थिर कराना। दिन निश्चित कराना। मुहूर्त निकलवाना। उ०- अति परम सुन्दर पालना गढ़ि ल्यय रे बढ़ैया। --- पालनो आन्यो सबहि अति मन मान्यो नीको सो दिन धराइ सखिन मंगल गवाय रंग महल में पौढ़्यो है कन्हैया। सूर। |
| दिन धौले | बिलकुल दिन के समय। |
| दिन निकलना | दिन चढ़ना। सूर्योदय होना। |
| दिन पड़ना | कुसमय का आना। बुरा समय आना। |
| दिन पर दिन | नित्य प्रति। सदा। |
| दिन पूरे करना | निर्वाह करना। समय बिताना। किसी अवधि तक समय बिताना। |
| दिन पूरे होना | अन्तिम समय निकट आना। उ०- पूरा सेइये, सब वि पूरा होय। कबीर। |

| | |
|---|---|
| दिन फिरना | दुर्भाग्य काल के उपरान्त सौभाग्य काल आना। बुरे दिनों के बाद अच्छे दिन आना। |
| दिन बदना | दिन नियत करना। |
| दिन बहुरना | फिर से अच्छे दिन आना। दिन फिरना। |
| दिन बिगड़ना | बुरे दिन होना। विपत्ति आना। |
| दिन बूड़ना | सूर्यास्त होना। सन्ध्या होना। |
| दिन भरना | बुरे दिन काटना। |
| दिन भुगताना | दिन काटना। समय बिताना। |
| दिन मुंदना | सूर्य डूबना। सन्ध्या होना। |
| दिन होना | दिन निकलना। सूर्योदय होना। दिन चढ़ना। |
| दिनों से उतरना | जवानी ढलना। |
| दिमाग़ आसमान पर होना | अत्यधिक अभिमान होना। |
| दिमाग़ खाना | बहुत बकवाद करना। |
| दिमाग़ खाली करना | दिमाग़ चाटना। मगजपच्ची करना। मगजपच्ची करना। |
| दिमाग़ चढ़ना | अत्यधिक अभिमान होना। |
| दिमाग़ चाटना | बहुत बकवाद करना। |
| दिमाग़ चौथे फलक पर होना | अत्यधिक अभिमान होना। |
| दिमाग़ झड़ना | अहंकार नष्ट होना। अभिमान नष्ट होना। |
| दिमाग़ ठंडा करना | क्रोध या घमंड दूर करना। |
| दिमाग़ न मिलना | दिमाग़ चढ़ना। |
| दिमाग़ पच्ची करना | व्यर्थ की बात पर बहुत विचार करते रहना। |
| दिमाग़ परेशान करना | दिमाग़ चाटना। ऐसा काम करना जिसमें मानसिक शक्ति का अधिक व्यय हो। |
| दिमाग़ में खलल होना | मस्तिष्क में कोई विकार होना। सिड़ी होना। पागल होना। |

दिमाग लड़ाना — बहुत अच्छी तरह विचार करना। खूब सोचना।

दिमाग सातवें आसमान पर होना — अत्यधिक अभिमान होना।

दिमाग हो जाना — घमंड हो जाना।

दियासलाई लगाना — आग लगाना। जलाना।

दिल अटकना — चित्त का प्रेमासक्त होना। किसी से प्रेम हो जाना।

दिल अटकाना — किसी से प्रेम करना।

दिल आना — किसी से प्रेम होना। हृदय का किसी के प्रेम में अनुरक्त होना।

दिल उकताना — चित्त का उचाट होना। चित्त न लगना। एक ही अवस्था में बहुत काल तक रहते रहते परिवर्तन के लिए चित्त का व्यग्र होना। तबीयत घबड़ाना।

दिल उचटना — चित्त न लगना। चित्त का प्रवृत्त न होना। मन हटना। किसी कार्य,वस्तु या स्थान आदि से विरक्ति होना

दिल उठाना — चित्त हटाना। मन फेर लेना।

दिल उमड़ना — हृदय काकरुणा व शोक के आवेग से पूर्ण होना। चित्त में दु:ख का उद्रेक होना। हृदय का करुणा से विह्वल होना।

दिल उलटना — चित्त व्याकुल होना। मन व्यग्र होना। मन न लगना। जी ऊबना। वमन करने को जी चाहना। होश जाते रहना।

दिल कड़ा करना — हिम्मत बांधना। साहस करना। चित्त में दृढ़ता लाना।

दिल कड़ुवा करना — हिम्मत बांधना। साहस करना। चित्त में दृढ़ता लाना।

दिल कबाब होना — चित्त संतप्त होना। हृदय में सन्ताप होना। चित्त में कुढ़ना और दु:ख होना। क्रोध आना। गुस्सा लगना। ईर्ष्या होना। डाह होना।

दिल करना — हिम्मत करना। हौसला करना। साहस करना। जी चाहना। ~~आस्था~~। इच्छा होना।

| | |
|---|---|
| दिल का कंवल खिलना | चित्त प्रसन्न होना। मन आनन्दित होना। |
| दिल का खोटा | कपटी। दगाबाज। |
| दिल का गवाही देना | अंतरात्मा का कोई काम करना स्वीकार करना। मन को किसी बात की सम्भावना या औचित्य का निश्चय होना। |
| दिल का गुबार निकलना | मन का मलाल दूर करना। |
| दिल का गुबार निकालना | क्रोध या दुःख को शब्दों द्वारा प्रकट करना। हृदय का उद्वेग बाहर करना। |
| दिल का बादशाह | अति उदार। मनमौजी। लहरी। |
| दिल की आग बुझना | जी ठंडा होना। इच्छा पूरी होना। |
| दिल की कली खिलना | आनन्दित होना। चित्त प्रसन्न होना। |
| दिल की दिल में रहना | मनोरथ का पूरा न होना। मन में ठानी, सोचह या चाही हुई बात का न होना। |
| दिल की फांस | मन की पीड़ा या दुःख। आन्तरिक वेदना। |
| दिल कुढ़ना | चित्त का दुखी होना। रंज होना। |
| दिल कुम्हलाना | चित्त का दुखी या शोकाकुल होना। मन का सुस्त हो जाना। |
| दिल के दरवाजे खुलना | (किसी के) जी का हाल मालूम होना। मन की बात प्रकट होना। |
| दिल के फफोले फूटना | चित्त का उद्गार निकलना। दिल की जलन या क्रोध प्रकट होना। मन का उद्वेग शांत होना। |
| दिल के फफोले फोड़ना | हृदय का उद्गार निकालना। जली कटी कहकर अपना चित्त शांत करना। अपने दिल की जलन या क्रोध प्रकट करना। |
| दिल के मलोले निकालना | कुछ बक-झककर मन का दुःख दूर करना। |
| दिल को करार होना | चित्त में धैर्य या शांति होना। हृदय का शांत या सन्तुष्ट होना। |

| | |
|---|---|
| दिल को मसोसना | शोक या क्रोध आदि तीव्र मनोवेगों को मन में ही दबा रखना। चित्त के उद्गार को किसी कारणवश निकलने न देना। |
| दिल को लगना | हृदय पर पूरा या गहरा प्रभाव पड़ना। किसी बात का जी में बैठना। चित्त में चुभना। |
| दिल खटकना | चित्त में खटका या सन्देह उत्पन्न होना। हानि आदि की आशंका से (कोई काम करने से) जी हिचकना। |
| दिल खट्टा होना | चित्त हट जाना। मन फिर जाना या विरक्त होना। अनुराग न रहना। घृणा होना। |
| दिल खिलना | चित्त प्रसन्न होना। मन प्रफुल्लित होना। |
| दिल खुलना | संकोच छूट जाना। धड़क खुल जाना। किसी काम के करने में हिचक न रह जाना। |
| दिल खोलकर | बेधड़क। निःसंकोच। बिना किसी प्रकार के भय या लज्जा के। बिना हिचके। जितना जी चाहे। मनमाना। यथेष्ट। |
| दिल चलना | जी चाहना। इच्छा होना। दिल आना। चित्त मोहित होना। |
| दिल चलाना | इच्छा करना। मन दौड़ाना। चाह करना। हिम्मत बांधना। साहस करना। हौसला बढ़ाना। |
| दिल चुराना | किसी काम या बात से बचने के लिए हीला हवाली करना या युक्ति रचना। किसी काम से भागना। |
| दिल जमना | किसी काम में चित्त लगना। ध्यान या जी लगना। ~~किसी विषय या पदार्थ की ओर से चित्त का~~ सन्तुष्ट होना। रूचि के अनुकूल होना। जी भरना। |
| दिल जमाना | काम में ध्यान देना। चित्त लगाना। जी लगाना। |
| दिल जलना | चित्त सन्तप्त होना। हृदय में सन्ताप होना। चित्त में कुढ़ना और दुःख होना। क्रोध आना। गुस्सा लगना। ईर्ष्या होना। डाह होना। |
| दिल जलाना | चित्त सन्तप्त करना। हृदय में क्रोध उत्पन्न करना। कुढ़ाना। चिढ़ाना। हृदय में दुःख उत्पन्न करना। रंज |

| | |
|---|---|
| | पहुंचाना। दुखी करना। चित्त व्यथित करना। सताना। ईर्ष्या या डाह उत्पन्न करना। |
| दिल जान से लगना | हृदय से प्रवृत्त होना। सारा ध्यान लगा देना। एकाग्र चित्त होकर तत्पर होना। |
| दिल टूट जाना | उत्साह भंग हो जाना। उमंग या हौसला न रह जाना। नैराश्य होना। उदासीनता होना। |
| दिल टूटना | उत्साह भंग हो जाना। उमंग या हौसला न रह जाना। नैराश्य होना। उदासीनता होना। |
| दिल ठिकाने होना | मन में शांति, सन्तोष या धैर्य होना। चित्त स्थिर होना। जी ठहरना। |
| दिल ठुकना | मन को सन्तोष होना। चित्त स्थिर होना। चित्त में दृढ़ता होना। साहस होना। हिम्मत बंधना। |
| दिल ठोकना | मन को दृढ़ करना। जी पक्का करना। |
| दिल डूबना | बेहोश होना। बेचैन होना। |
| दिल तड़पना | चित्त का यों हो, विशेषत: किसी के प्रेम में, बहुत व्याकुल होना। अत्यधिक घबराहट या बेचैनी होना। |
| दिल तोड़ना | हिम्मत तोड़ना। हतोत्साह करना। साहस भंग करना। |
| दिल दहलना | कलेजा कांपना। |
| दिल-दिमाग का (आदमी) | बहुत साहसी और समझदार (आदमी)। |
| दिल दुखना | चित्त को कष्ट पहुंचना। हृदय में दु:ख होना। |
| दिल दुखाना | चित्त व्यथित करना। कष्ट पहुंचाना। दु:ख देना। सताना |
| दिल देखना | किसी के मन की परीक्षा करना। रूचि या प्रवृति का पता लगाना। जी की थाह लेना। मन टटोलना। |
| दिल देना | आशिक होना। प्रेम करना। आसक्त होना। मुहब्बत में पड़ना। |
| दिल दौड़ाना | जी चलाना। इच्छा या लालसा करना। ध्यान दौड़ाना चिन्तन करना। सोचना। |

| | |
|---|---|
| दिल धक धक करना | भय से व्याकुलता होना। आशंका से चित्त विचलित होना। |
| दिल धक धक होना | भय की व्याकुलता होना। आशंका से चित्त विचलित होना। |
| दिल धड़कना | डर से जी कांपना। भय से व्याकुल होना। चित्त में चिन्ता होना। जी में खटका होना। |
| दिल धुकड़ धुकड़ करना | डर से जी कांपना। भय से व्याकुलता होना। चित्त में चिन्ता होना। जी में खटका होना। |
| दिल पक जाना | दिल में सख़्त रंज होना। ताने सुन-सुनकर दिल को कष्ट देना। |
| दिल पकड़ा जाना | मन में सन्देह पड़ जाना। माथा ठनकना। कोई भारी खटका पैदा हो जाना। कोई भारी आशंका चित्त में उठना। |
| दिल पकड़े फिरना | ममता से व्याकुल होकर इधर उधर फिरना। विकल होकर घूमना। |
| दिल पकना | तंग आना। ऊब उठना। |
| दिल पर नक्श होना | किसी बात का हृदय में अच्छी तरह जम जाना। |
| दिल पर सांप लोटना | अत्यन्त दुःख होना। अत्यधिक व्याकुलता होना। ईर्ष्या आदि के कारण अत्यन्त दुःख होना। |
| दिल पसीजना | दया से हृदय द्रवित होना। चित्त का दयार्द्र होना। हृदय का प्रेमार्द्र होना। चित्त में स्नेह का संचार होना। |
| दिल पाना | आशय जानना। अन्तःकरण की बात जानना। मन की थाह पाना। |
| दिल फट जाना | हृदय मिला न रहना। चित्त में पहले का सा सद्भाव या प्रेमभाव न रह जाना। प्रीति भंग होना। प्रेम में अन्तर पड़ जाना। चित्त विरक्त होना। किसी की ओर से चित्त खिन्न हो जाना। |
| दिल फिर जाना | मन हट जाना। चित्त विरक्त हो जाना। चित्त अनुरक्त न रहना। हृदय में घृणा या अरुचि उत्पन्न हो जा[illegible] |

| | |
|---|---|
| दिल फीका होना | चित्त हट जाना। मन फिर जाना या विरक्त होना। अनुराग न रहना। घृणा होना। |
| दिल बढ़ना | चित्त प्रसन्न या उत्साहित होना। हौसला बढ़ना। साहस बढ़ना। हिम्मत आना। जोश आना। |
| दिल बढ़ाना | उत्साह बढ़ाना। किसी विषय में प्रवृत्त करने के लिए उत्तेजित करना। प्रशंसा, पुरस्कार आदि द्वारा किसी क काम में अधिक रूचि उत्पन्न करना। हौसला बढ़ाना। किसी कार्य की सफलता की आशा बंधाकर अधिक उत्साह उत्पन्न करना। साहस दिलाना। हिम्मत बंधाना। |
| दिल बहलना | चित्त का आनन्दपूर्वक लीन होना। मनोरंजन होना। चित्त के किसी विषय में लग जाने से दुःख या चिंता की बात भूल जाना। |
| दिल बहलाना | रूचि के अनुकूल किसी विषय में लगाकर चित्त प्रसन्न करना। मनोरंजन करना। चित्त को किसी ओर लगाकर दुःख या चिंता की बात भूल जाना। |
| दिल बुझना | चित्त में किसी प्रकार का उत्साह या उमंग न रह जाना। मन मरना। |
| दिल बुरा होना | कै होना। उल्टी होना। ख्याल खराब होना। चित्त में दुर्भाव या घृणा उत्पन्न होना। |
| दिल बेकल होना | बेचैनी होना। घबराहट होना। |
| दिल बैठा जाना | चित्त विह्वल होना। चित्त ठिकाने न रहना। चैतन्य न रहना। मूर्च्छा सी आना। मन मरना। उदासी होना। |
| दिल भटकना | चित्त का व्यग्र या चंचल होना। मन में इधर उधर के विचार उठना। |
| दिल भर आना | हृदय का करूणा या शोक के आवेग से पूर्ण होना। चित्त में दुःख या करूणा का उद्वेग होना। दुःख या दया उमड़ना। करूणा आदि से विह्वल होना। |
| दिल भरना | चित्त सन्तुष्ट होना। तुष्टि होना। तृप्ति होना। |

| | |
|---|---|
| | मन अघाना। मन की अभिलाषा पूरी होने से आनन्द और सन्तोष होना। रुचि के अनुकूल होना। मन मानना। मन में घृणा न होना। |
| दिल भारी करना | चित्त खिन्न या दुखी करना। |
| दिल मलना | दिल दुखाना। कष्ट पहुंचाना। |
| दिल मसोस कर रह जाना | कलेजा थाम कर रह जाना। दुःख के वेग को रोक कर रह जाना। |
| दिल मसोसना | शोक, क्रोध या किसी दूसरे तीव्र मनोवेग का मन में ही दबा रहना। |
| दिल मारना | खिन्न चित्त होना। उदास होना। इच्छा को दबाना। मन को वश में करना। |
| दिल मिलना | चित्त के भाव का परस्पर समान होना। हृदय का भाव एक होना। समान प्रवृत्ति होना। चित्त पटना। प्रेम होना। अनुराग होना। मित्रता होना। |
| दिल में आना | मन में भाव उठना। चित्त में विचार उत्पन्न होना। मन में इच्छा होना। जी चाहना। इरादा होना। संकल्प होना। |
| दिल में गड़ना | चित्त में जम जाना। हृदय पर गहरा प्रभाव करना। मर्म भेदना। हृदय में अंकित हो जाना। चित्त में बराबर ध्यान बना रहना। डटना। बुरी बात का दिल में चुभना। अति अभिष्ट वस्तु का दिल में रहना। |
| दिल में गांठ पड़ना | आपस के सम्बन्ध में भेद पड़ना। मन मोटाव होना। वैर होना। द्वेष होना। |
| दिल में घर करना | मन में स्थान करना। हृदय में किसी बात का अच्छी तरह जम जाना। हृदय में किसी का ध्यान बराबर बना रहना। |
| दिल में चुभना | चित्त में जम जमना। हृदय पर गहरा प्रभाव करना। मर्म भेदना। हृदय में अंकित हो जाना। चित्त में बराबर ध्यान बना ~~रहना~~ रहना। |

| | |
|---|---|
| दिल में जगह करना | किसी बात का हृदय में अच्छी तरह जम जाना। |
| दिल में फफोले पड़ना | अत्यधिक मानसिक कष्ट होना। |
| दिल में फर्क आना | सद्भाव में अन्तर पड़ना। मनमुटाव होना। |
| दिल में रखना | चित्त में विचार धारण करना। ध्यान बनाये रखना। मन में बुरा मानना। वैर रखना। द्वेष रखना। कीना रखना। हृदय में गुप्त रखना। हृदय के भाव को प्रकट न करना। |
| दिल मैला करना | चित्त में दुर्भाव उत्पन्न करना। मन मैला करना। |
| दिल रखना | (किसी का) मन रखना। मन की बात होने देना। मन की अभिलाषा पूरी करना। इच्छा पूरी करना। उत्साह भंग न करना। प्रसन्न करना। सन्तुष्ट करना। |
| दिल रुकना | जी घबराना। जी हिचकना। चित्त प्रवृत्त न होना। |
| दिल लगना | चित्त तत्पर होना। मन का किसी विषय में योग देना। चित्त प्रवृत्त होना। |
| दिल लगाना | तत्पर होना। दत्त चित्त होना। प्रेम करना। |
| दिल ललचना | जी में लालच होना। चित्त में किसी बात के लिए प्रबल इच्छा होना। चित्त आकर्षित होना। मन मोहित होना। मन लुभाना। |
| दिल लेना | किसी को अपने पर आसक्त करना। अपने प्रेम में फंसाना। अन्त:करण की बात जानना। मन की थाह लेना। |
| दिल लोटना | जी छटपटाना। किसी वस्तु की प्राप्ति या और किसी बात के लिए चित्त व्याकुल होना। चित्त का अत्यन्त इच्छुक होना। ऐसी इच्छा होना कि रहा न जाय। |
| दिल से | जी लगाकर। अच्छी तरह। ध्यान देकर। अपने मन से। अपनी इच्छा से। |
| दिल से उठना | आपसे आप कोई काम करने की प्रवृत्ति होना। |

| | |
|---|---|
| दिल से उतरना | दृष्टि से गिर जाना। प्रिय या आदरणीय न रह जाना। विरक्त भाजन होना। |
| दिल से दूर करना | भुला देना। विस्मरण करना। ध्यान छोड़ देना। |
| दिल हट जाना | मन हट जाना। चित्त विरक्त हो जाना। चित्त अनुरक्त न रहना। हृदय में घृणा या अरुचि उत्पन्न हो जाना। |
| दिल ही दिल में | मन ही मन। चुपके चुपके। गुप्त भाव से। |
| दिल्लगी उड़ाना | (किसी को) अमान्य और मिथ्या ठहराने के लिए (उस) हंसी की बातें कहना। हंसी की बात कहकर टाल देना। उपहास करना। |
| दिल्लगी में | केवल दिल्लगी के विचार से। यों ही। हंसी में। |
| दिवाला निकलना | दिवाला होना। |
| दिवाला निकालना | दिवालिया बन जाना। ऋण चुकाने में असमर्थ हो जाना। |
| दिवाला मारना | दिवालिया बन जाना। ऋण चुकाने में असमर्थ हो जाना। |
| दिसावर उतरना | विदेश में भाव गिरना। |
| दिसावर चढ़ना | विदेश में बाजार का भाव चढ़ जाना। |
| दीआ घर करना | दीपक बुझाना। |
| दीठ उठाना | ताकने के लिए आंख ऊपर करना। |
| दीठ उतारना | किसी उपचार से बुरी दृष्टि का प्रभाव दूर करना। |
| दीठ करना | दृष्टि डालना। ताकना। |
| दीठ खा जाना | किसी की बुरी दृष्टि के सामने पड़ जाना। टोक में आना। टूंस में आना। (बच्चों के सम्बन्ध में अधिक बोलते हैं)। |
| दीठ गड़ाना | दृष्टि स्थिर करना। एकटक ताकना। |
| दीठ चुराना | (लज्जा या भय से) सामने न आना। जान-बूझकर दिखाई न पड़ना। |
| दीठ चूकना | नजर न पड़ना। दृष्टि का इधर उधर हो जाना। |

| | |
|---|---|
| दीठ जलाना | नजर उतारने के लिए राई,लोन या कपड़ा जलाना। बुरी दृष्टि का प्रभाव दूर करना। |
| दीठ जुड़ना | आंख मिलना।साक्षात्कार होना।देखा देखी होना। |
| दीठ जोड़ना | आंख मिलाना।साक्षात्कार होना।देखा देखी होना। |
| दीठ फाड़ना | किसी उपचार से बुरी दृष्टि का प्रभाव दूर करना। |
| दीठ पर चढ़ना | देखने में श्रेष्ठ या उत्तम जान पड़ना।निगाह में जंचना। अच्छा लगने के कारण ध्यान में सदा बना रहना। पसन्द आना।भाना।आंखों में खटकना।किसी वस्तु का इतना बुरा लगना कि उसका ध्यान सदा बना रहे। |
| दीठ फिरना | नेत्रों का दूसरी ओर प्रवृत्त होना।कृपादृष्टि न रहना। हित का ध्यान या प्रीति न रहना।चित्त अप्रसन्न या खिन्न होना। |
| दीठ फिसलना | चमक दमक के कारण नजर न ठहरना।आंख में चकाचौंध होना। |
| दीठ फेंकना | नजर डालना।ताकना। |
| दीठ फेरना | नजर हटा लेना।दूसरी ओर ताकना।कृपादृष्टि न रखना।अप्रसन्न या खिन्न होना। |
| दीठ बचाना | किसी के सामने होने से बचना।आंख के सामने न आना।जान-बूझकर दिखाई न पड़ना।(भय,लज्जा आदि के कारण)।(किसी से)छिपाना।न दिखाना। उ०- मोहन आपनी राधिका को विपरी को चित्र विचित्र बनाय कै।दीठ बचाय सलोनी की आरसी में चिपकाइ गयो बहराइ कै। रसकुसुमाकर। |
| दीठ बांधना | इस प्रकार जादू करना कि आंखों को और का और दिखाई दे।इन्द्रजाल फैलाना। |
| दीठ बिछाना | प्रेम या श्रद्धावश किसी के आसरे में लगातार ताकते रहना।उत्साहपूर्वक किसी के आगम की प्रतीक्षा करना।किसी के आने पर अत्यन्त श्रद्धा या प्रेम से स्वागत करना। |

| | |
|---|---|
| दीठ पर देखना | जितनी देर तक इच्छा हो उतनी देर तक देखना। जीभर ताकना। |
| दीठ मारना | आंख से संकेत करना। पलक गिराकर संकेत करना। आंख के इशारे से रोकना। |
| दीठ मारी जाना | देखने की शक्ति न रह जाना। |
| दीठ मिलना | आंख मिलना। साक्षात्कार होना। देखा देखी होना। |
| दीठ मिलाना | आंख मिलाना। साक्षात्कार करना। देखा देखी करना। |
| दीठ में आना | दिखाई पड़ना। |
| दीठ में पड़ना | दिखाई पड़ना। |
| दीठ में समाना | अच्छा या प्रिय लगने के कारण ध्यान में सदा बना रहना। |
| दीठ लगना | कुदृष्टि पड़ जाना। |
| दीठ लगाना | टकटकी लगाकर देखना। ताकना। दृष्टि करना। उ०- नहिं लावहिं परतिय मन दीठी। तुलसी । |
| दीठ लड़ना | आंख के सामने आंख होना। घूराघूरी होना। |
| दीठ लड़ाना | आंख के सामने आंख किये रहना। घूरना। |
| दीठ से उतरना | श्रद्धा, विश्वास या प्रेम का पात्र न रहना। |
| दीद नवना | शर्म खाना। नम्र होना। |
| दीदाघाई | स्त्री जिसकी आंखों में शर्म न हो। बेशर्म। निर्लज्ज। |
| दीदाफटी | स्त्री जिसकी आंखों में शर्म न हो। निर्लज्ज। |
| दीदा फूटना | आंखें फूटना। आंखें अंधी होना। |
| दीदा लगना | काम में जी लगना। ध्यान जमना। चित्त रमना। |
| दीदे का पानी ढल जाना | बुरे काम के करने में लज्जा न रह जाना। निर्लज्ज हो जाना। |
| दीदे निकालना | क्रोध की दृष्टि से देखना। आंखें नीली पीली करना। |

| | |
|---|---|
| दीदे पटम होना | आंखों का फूट जाना। |
| दीदे फाड़कर देखना | अच्छी तरह आंख खोलकर देखना। ध्यानपूर्वक देखना। टकटकी बांधकर देखना। |
| दीदे मटकाना | हाव-भाव सहित आंखों को पुतली चमकाना। आंखें चमकाना। |
| दीमक का खाया हुआ | जो गड्ढेदार होने से अभव्य दिखाई देता हो। |
| दीया जलाना | दीया जलने का समय होना। सन्ध्या होना। |
| दीया जलने के समय | सन्ध्या के समय। |
| दीया जलाना | दीवाला निकालना। |
| दीया ठंढा करना | दीया बुझाना। |
| दीया ठंढा होना | दीपक बुझना। किसी के मरने से कुल में अंधकार छा जाना। घर में रौनक न रह जाना। |
| दीया दिखाना | रोशनी दिखाना। (किसी के)सामने उजाला करना। |
| दीया बढ़ाना | दीया बुझाना। |
| दीया बड़ा करना | दीया बुझाना। |
| दीया बत्ती करना | दीया जलाने के लिए बत्ती आदि ठीक करना। रोशनी का सामान करना। चिराग जलाना। |
| दीया बत्ती का समय | सायंकाल। सन्ध्या का समय। |
| दीया लेकर ढूंढना | चारों ओर हैरान होकर ढूंढना। परिश्रम से खोजना। |
| दीये का हंसना | दीये की बत्ती से फूल या गुल फड़ना। दीये की बत्ती में चमकते हुए गोल गोल रवे दिखाई पड़ना। (इससे विवाह होने, लड़का होने आदि का शुभ शकुन समझा जाता है)। |
| दीये में बत्ती पड़ना | दीया जलने का समय होना। सन्ध्या का समय होना। |
| दीये से फूल फड़ना | दीये की जलती हुई बत्ती से चमकते हुए गोल फुचड़े या रवे निकलना। गुल फड़ना। |

| | |
|---|---|
| दीवार उठाना | दीवार बनाना। |
| दीवार खड़ी करना | दीवार बनाना। |
| दीवार में चुनना = किसी मनुष्य को खड़ा करके उसके ऊपर, चारों ओर ईंटों की जोड़ाई करना | |
| दु:ख उठाना | कष्ट सहना। ऐसी स्थिति में पड़ना जिसमें सुख व शान्ति न हो। |
| दु:ख देना | कष्ट पहुंचाना। |
| दु:ख पड़ना | आपत्ति आना। संकट उपस्थित होना। |
| दु:ख पहुंचना | दु:ख होना। |
| दु:ख पहुंचाना | कष्ट पहुंचाना। |
| दु:ख पाना | कष्ट सहना। ऐसी स्थिति में पड़ना जिसमें सुख व शान्ति न हो। |
| दु:ख बंटाना | सहानुभूति प्रकट करना। कष्ट या संकट के समय साथ देना। |
| दु:ख बिसारना | चित्त से खेद निकालना। शोक या रंज की बात भूलना। जी बहलाना। |
| दु:ख भरना | कष्ट या संकट के दिन काटना। |
| दु:ख मानना | खिन्न होना। सन्तप्त होना। रंजीदा होना। |
| दु:ख लगना | मन में खेद होना। रंज होना। रोग घेरना। व्याधि होना। |
| दुआ करना | ईश्वर से किसी की भलाई की प्रार्थना करना। |
| दुआ कहना | आशीर्वाद देना। |
| दुआ मांगना | ~~ईश्वर से किसी की भलाई~~ की प्रार्थना करना। |
| दुआ लगना | आशीर्वाद का फलीभूत होना। |
| दुई का परदा | द्वैतजनित अज्ञान या आवरण। |
| दुकान उठाना | कारबार को बन्द करके दुकान छोड़ देना। दुकान बन्द करना। |

| | |
|---|---|
| दुकान करना | व्यवसाय करना। दुकान खोलना। |
| दुकान खोलना | व्यवसाय करना। |
| दुकान चलना | व्यवसाय में वृद्धि होना। |
| दुकान बढ़ाना | दुकान बंद करना। |
| दुकान लगाना | दुकान का सामान बिक्री के लिए सजाकर रखना। |
| ~~दुखड़ा रोना~~ | ~~अपने दुःख का वृतान्त कहना।~~ अ |
| दुखड़ा पड़ना | (किसी स्त्री का) विधवा हो जाना। |
| दुखड़ा पीटना | कष्ट भोगना। बहुत परिश्रम और कष्ट से जीवन बिताना। |
| दुखड़ा भरना | कष्ट भोगना। बहुत परिश्रम और कष्ट से जीवन बिताना। |
| दुखड़ा रोना | दूसरे से अपनी करूण गाथा कह सुनाना। |
| दुगडुगी में दम होना | प्राण का कंठगत होना। |
| दुटूक बात | स्पष्ट बात। खरी बात। |
| दुनिया की हवा लगना | सांसारिक अनुभव होना। छल-कपट या दुर्व्यसनों में लगना। |
| दुनिया के परदे पर | संसार में। |
| दुनिया भर का | अत्यधिक। |
| दुनिया से उठ जाना | मर जाना। |
| दुनिया से चल बसना | मर जाना। |
| दुनियादारी की बात | बनावटी बात। इधर उधर की बात जो केवल प्रसन्न करने के लिए कही जाय। लल्लो चप्पो। |
| दुपट्टा तान कर सोना | निश्चिन्त होकर सोना। बेखटके सोना। |
| दुपट्टा बदलना | सहेली बनाना। सखी बनाना। |

र होना।

| | |
|---|---|
| दुफसलो में पड़ना | दुविधा में पड़ना। |
| दुबधे में डालना | संशय उत्पन्न करना। |
| दुबधे में पड़ना | अनिश्चित अवस्था में पड़ना। |
| दुम के पीछे फिरना | साथ साथ लगा रहना। पीछे पीछे घूमना। साथ न छोड़ना। |
| दुम दबा जाना | डर के मारे भाग जाना। भयवश किसी काम से पीछे हट जाना। भयवश किसी काम से अलग हो जाना। |
| दुम दबाकर भागना | डर के मारे न ठहरना। दबकर भागना। |
| दुम में घुसना | गायब हो जाना। दूर हो जाना। |
| दुम में घुसा रहना | खुशामद में लगा रहना। शुश्रूषा के लिए सदा साथ में रहना। |
| दुम में रस्सा बांधूं | नटखट चौपाये की तरह बांध कर रक्खूं। |
| दुम हिलाना | कुत्ते का दुम हिलाकर प्रसन्नता प्रकट करना। चापलूसी करना। |
| दुर दुर करना | तिरस्कारपूर्वक हटाना। कुत्ते की तरह भगाना। |
| दुरागौन देना | लड़की को दूसरी बात ससुराल भेजना। |
| दुरागौन लाना | बहू को दूसरी बार उसके पिता के घर से लाना। |
| दुरादुरी करके | छिपे छिपे। गुप्त रूप से। उ०- सिय भ्राता के समय भोम तंह आयउ। दुरादुरी करि नेग, सुनात जनायउ। । तुलसी । |
| दुरुस्त करना | किसी की चाल सुधारना। किसी को दण्ड देना। |
| दुलत्ती छांटना | दोनों लातों को चलाना। दोनों लातों से मारना। |
| दुलत्ती फाड़ना | दोनों लातों को चलाना। दोनों लातों से मारना। |
| दुलत्ती फेंकना | दोनों लात चलाना। |
| दुह लेना | नि:सार कर देना। सार खींच लेना। सर्वस्व हर लेना। अधिक से अधिक लाभ उठाना। उ०- बेचहिं वेद धरम दुहि लेहीं। पिसुन पराय पाप कहि देहीं। तुलसी । |

| | |
|---|---|
| दुहाई देना | (संकट या आपत्ति आने पर) रक्षा के लिए पुकारना। अपने बचाव के लिए किसी का नाम लेकर चिल्लाना। |
| (किसी की) दुहाई फिरना | राजा के सिंहासन पर बैठने पर उसके नाम की घोषणा होना। उ०- बैठे राम राज सिंहासन जग में फिरी दुहाई। निर्भय राजा राम की कहियत सुर-नर मुनि सुखदाई। सूर। प्रताप का डंका फिरना। विजय घोषणा होना। जय जयकार होना। उ०-(क) बिंध, उदयगिरि, धौलागिरि कृष्टि दुहाई फिरी। जायसी। (ख) नगर फिरी रघुबीर दुहाई। तब प्रभु सीतहि बोल पठाई। तुलसी। |
| दूज का चांद होना | बहुत दिनों पर दिखाई पड़ना। बहुत कम दिखाई पड़ना। |
| दूध उगलना | बच्चे का दूध पीकर कै कर देना। |
| दूध उछालना | खौलते दूध को ठंढा करने के लिए बार बार उसे धार बांधकर नीचे गिराना। |
| दूध उतरना | स्तनों में दूध भर जाना। |
| दूध का दूध और पानी का पानी | उचित न्याय करना। उ०- हम जातहिं वह उघरि परैगी दूध दूध पानी सो पानी। सूर। |
| दूध का बच्चा | नन्हा और केवल दूध पीनेवाला बच्चा। |
| दूध का सा उबाल | शीघ्र शांत हो जानेवाला क्रोध या मनोवेग आदि। |
| दूध की मक्खी | अत्यन्त तुच्छ और तिरस्कृत पदार्थ। |
| दूध में मक्खी की तरह निकालना | अत्यन्त तुच्छ वस्तु की तरह एकदम अलग कर देना। उ०- मनसा वचन कर्मना अब हम कहत नहीं कछु राखो। सूर काढ़ि डारयो ब्रज तें ज्यों दूध मांझ ते माखो। सूर। |
| | उ०- रेख खंचाइ कहहुँ बलु भाखी। भामिनी भइहु दूध कइ माखी।- मानस |
| दूध की मक्खी होना | व्यर्थ तथा दूर करने योग्य होना। उ०- भामिनि भयउ दूध की माखी। रामा०। |
| दूध के दांत | शैशवावस्था में निकले दांत। |

| | |
|---|---|
| दूध के दांत न टूटना | अभी तक बच्चा होना। ज्ञान और अनुभव न होना। सयाना न होना। |
| दूध चढ़ना | स्तन से निकलनेवाले दूध की मात्रा कम हो जाना। |
| दूध चढ़ाना | दुहते समय गाय का अपने दूध को स्तनों में ऊपर की ओर खींच लेना जिससे दुहनेवाला उसे खींच कर बाहर न निकाल सके। |
| दूध छुड़ाना | बच्चे को दूध पीने की आदत छुड़ाना। किसी को दूध छोड़ने में प्रवृत्त करना। |
| दूध डालना | बच्चों का पीये हुए दूध को कै कर देना। |
| दूध तोड़ना | गाय आदि का दूध देना बन्द या कम कर देना। गरम दूध को ठंढा करने के लिए हिलाना या घंघोलना। |
| दूध दुहना | स्तनों को दबाकर दूध की धार निकालना। |
| दूध देना | अपने स्तनों में से दूध निकालना। |
| दूध पड़ना | कच्चे दानों में रस भर आना। अनाज का तैयारी पर आना। |
| दूध पिलाना | बालक का मुंह स्तन के साथ लगाकर उसे दूध की धार खींचने देना। |
| दूध पीता बच्चा | गोद का बच्चा। बहुत छोटा बच्चा। |
| दूध पीना | स्तनपान करना। किसी चीज को ऐसी दशा में रखना जिसमें उसके नष्ट होने आदि का खटका न रहे। |
| दूध फटना | दूध बिगड़ना। |
| दूध फाड़ना | किसी क्रिया से दूध का पानी और सार भाग अलग अलग करना। |
| दूध बढ़ाना | दूध छुड़ाना। बच्चे को दूध पीने की आदत छुड़ाना। |
| दूध बिगड़ना | दूध का फट जाना। |
| दूध भर आना | माता का प्रेम बढ़ना। |

| | |
|---|---|
| दूधों नहाओ, पूतों फलो | धन-जन से खूब समृद्ध हो। (आशीर्वाद) |
| दूधों नहाना पूतों फलना | धन-जन से खूब समृद्ध होना। |
| दून की लेना | डींग मारना। बहुत बढ़ बढ़कर बातें करना। |
| दून की सूझना | शक्ति से बाहर की बात का मन में आना। |
| दून की हांकना | डींग मारना। बहुत बढ़ बढ़कर बातें करना। |
| दूर क्यों जाइये | अपरिचित या दूर का दृष्टान्त न लेकर परिचित और निकटवाले का ही विचार करें। |
| दूर करना | अलग करना। जुदा करना। हटाना। न रहने देना। मिटाना |
| दूर की कहना | बहुत समझदारी की बात कहना। दूर दर्शिता की बात कहना। |
| दूर की कौड़ी उठाना | अल्प फलप्रद कठिन कार्य करना। |
| दूर की सूझ = दूर की बात | = आगे की बात। कठिन बात। बहुत आगे चलकर आनेवाली बात। बड़ी सूक्ष्म बात। |
| दूर की सोचना | दूरदर्शी की बात सोचना। |
| दूर पहुंचना | साधन या सामर्थ्य के बाहर। शक्ति के बाहर। दूर की बात सोचना। |
| दूर भागना | बहुत घृणा या तिरस्कार के कारण बिलकुल अलग रहना। बहुत बचना। पास न जाना। |
| दूर रहना | कोई सम्बन्ध न रखना। बहुत बचना। |
| दूर से सलाम करना | किसी बुरी वस्तु के पास न जाना। किसी बुरे आदमी से दूर रहना। दूर या अलग रहना। |
| दूर से हाथ जोड़ना | बिलकुल दूर या अलग रहना। |
| दूर होना | हट जाना। अलग हो जाना। छूट जाना। मिट जाना। नष्ट होना। न रहना। |
| दृक्पथ में आना | दिखाई पड़ना। |
| दृग डालना | नजर डालना। देखना। |
| दृग देना | नजर डालना। देखना। उ०- पाइ परे हुते प्रीतम त्यों कहि केशव क्योंहुं न मैं दृग दीनो। केशव। |

| | |
|---|---|
| दृग फेरना | आंख फेरना। अप्रसन्न रहना। उ०- दुःख और मैं कासों कहौं को सुनै ब्रज को वनिता दृग फेरै रहैं। । पद्माकर । |
| दृग मरोड़ना | भ्रूभंग करना। आंख से इशारा करना। कनखी मारना। उ०- अंतर में पति की सुरति गहि गहि गहकि गुनाह दृग मरोरि मुख मारि तिय छुवन देत नहिं छांह। । पद्माकर । |
| दृष्टि आना | देखने में आना। दिखाई पड़ना। |
| दृष्टि उठाना | ताकने के लिए आंख ऊपर करना। |
| दृष्टि करना | दृष्टि डालना। ताकना। |
| दृष्टि गड़ना | दृष्टि स्थिर करना। एकटक ताकना। |
| दृष्टि चलाना | नजर डालना। |
| दृष्टि चुराना | (लज्जा या भय से) सामने न आना। जान बूझकर दिखाई न पड़ना। नजर बचाना। |
| दृष्टि चूकना | नजर का इधर उधर हो जाना। आंख का दूसरी ओर फिर जाना। |
| दृष्टि जमाना | दृष्टि स्थिर करना। एकटक ताकना। |
| (किसी से) दृष्टि जुड़ना | आंख मिलना। देखादेखी होना। साक्षात्कार होना। |
| (किसी से) दृष्टि जोड़ना | आंख मिलना। देखादेखी करना। साक्षात्कार करना। |
| दृष्टि देना | नजर डालना। ताकना। |
| दृष्टि पड़ना | दिखाई पड़ना। उ०-(क) दृष्टि परी इंद्रासन पुरी। जायसी। (ख) मेरी दृष्टि परे जा दिन तें ज्ञान मान हरि लीनो री। सूर । |
| दृष्टि पर चढ़ना | देखने में बहुत अच्छा लगना। निगाह में जंचना। ध्यान में सदा बना रहना। पसन्द आना। भाना। आंखों में खटकना। |
| दृष्टि फिरना | नेत्रों का दूसरी ओर प्रवृत्त होना। कृपादृष्टि न रहना |

हित का ध्यान या प्रीति न रखना। चित्त अप्रसन्न या खिन्न होना।

दृष्टि फिसलना — चमक दमक के कारण नजर न ठहरना। आंख में चकाचौंध होना।

दृष्टि फेंकना — नजर डालना। ताकना।

दृष्टि फेरना — नजर हटा लेना। दूसरी ओर देखना। किसी ओर ताकते न रहना। किसी पर कृपादृष्टि न रखना। अप्रसन्न या विरक्त होना। खिन्न होना।

दृष्टि बचाना — किसी के सामने होने से बचना। आंख के सामने न आना। जान-बूझकर न दिखाई पड़ना(भय, लज्जा आदि के कारण)। किसी से छिपाना। न दिखाना।

दृष्टि बांधना — इस प्रकार जादू करना कि आंखों को और का और दिखाई दे। इन्द्रजाल फैलाना।

दृष्टि बिछाना — प्रेम या श्रद्धावश किसी के आसरे में लगातार ताकते रहना। उत्कंठापूर्वक किसी के आगमन की प्रतीक्षा करना। उ० पवन स्वास तासों मन लाई। जोवै मारग दृष्टि बिछाई। जायसी। किसी के आने पर अत्यन्त श्रद्धा या प्रेम प्रकट करना।

दृष्टि भर देखना — जितनी देर तक इच्छा हो उतनी देर तक देखना। जी भर कर ताकना। उ०- करू मन नंद नंदन ध्यान। सेइ चरन सरोज सीतल तजु विषय रस पान। सूर श्री गोपाल की छवि दृष्टि भरि लखि लेहि। प्रानपति की निरखि शोभा पलक परन न देहि। सूर ।

दृष्टि मारना — आंख से इशारा करना। पलक गिराकर संकेत करना। आंख के इशारे से रोकना।

दृष्टि मारी जाना — देखने की शक्ति न रह जाना। नेत्रहीन होना।

दृष्टि मिलना — आंख मिलना। देखा देखी होना। साक्षात्कार होना।

दृष्टि मिलाना — आंख मिलाना। देखा देखी करना। साक्षात्कार करना। उ०- बिहरत हिया करहु पिय टेका। दृष्टि मया करि मिलवहु एका। जायसी ।

| | |
|---|---|
| दृष्टि में आना | देख में आना। दिखाई पड़ना। उ०- जग कोउ दृष्टि न आवै पूरन होय सकाम। जायसी । |
| दृष्टि में पड़ना | दिखाई पड़ना। |
| दृष्टि में समाना | नजर में जंचना। अच्छा लगने के कारण ध्यान में बना रहना। भाना। |
| (किसी पर)दृष्टि रखना | किसी वस्तु को देखते रहना जिसमें वह इधर उधर न हो जाय। निगरानी रखना। देख रेख में रखना। चौकसी में रखना। |
| दृष्टि लगना | नजर पड़ना। दृष्टिपात होना। देखा देखी होने से प्रेम होना। प्रीति होना। |
| दृष्टि लगाना | स्थिर होकर ताकना। टकटकी बांधना। उ०- मूलि चकोर दृष्टि जो लावा। मेघ घटा महं चंद दिखावा। जायसी । किसी ओर देखने के लिए आंख ले जाना। उ०- दसो दुवार ताल का लेखा। उलटि दृष्टि जो लाव सो लेखा। जायसी । ताकना। प्रेम करना। प्रीति करना। व नजर लगाना। बुरी दृष्टि का प्रभाव पड़ना। |
| दृष्टि लड़ना | किसी की आंख के सामने आंख होना। घूरा घूरी होना। देखा देखी होना। प्रेम होना। |
| दृष्टि लड़ाना | आंख के सामने आंख किये रहना। घूरना। खूब ताकना। देर तक आंख से आंख मिलाना। |
| दृष्टिपथ में आना | दिखाई पड़ना। |
| दे मारना | पटकना। पछाड़ना। |
| देख में | आंख के सामने। समक्ष। |
| (हम)देख लेंगे | उपाय करेंगे। प्रतिकार करेंगे। जो कुछ करना होगा करेंगे |
| देखते देखते | आंखों के सामने। तुरन्त। फौरन। चटपट। |
| देखते रह जाना | हक्का बक्का रह जाना। चकपका जाना। चकित हो जाना। ऐसी स्थिति में हो जाना जिसमें कुछ करते धरते न बने। किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाना। |

| | |
|---|---|
| देखना चाहिए | (क्या होगा)मालूम नहीं।आगे की बात कौन जाने? कह नहीं सकते।(कि क्या होगा)। |
| देखना सुनना | जानकारी प्राप्त करना।जानना बूझना।पता लगाना |
| देखने में | बाह्य लक्षणों के अनुसार।बाहरी चेष्टाओं से। साधारण व्यवहार में।रूप रंग में।वर्ण,आकृति आदि में। |
| देखा जायगा | फिर विचार किया जायगा।पीछे जो कुछ करना होगा किया जायगा। |
| देखाव में | नजर के सामने।समक्ष। |
| देखो | ध्यान दो।विचार करो।सोचो।सावधान रहो। ख्याल रक्खो।खबरदार।पुकारने का शब्द सुनो।इधर आओ। |
| (किसी के) देवता कूच कर जाना | होश हवास जाता रहना।भय या किसी और कारण से विवेक नष्ट हो जाना।भय से स्तब्ध होना। |
| देह छूटना | जीवन समाप्त होना।मृत्यु होना। |
| देह छोड़ना | मरना।उ०- मम कर तीरथ छांड़िहि देहा। तुलसी । |
| देह धरना | जन्म लेना।शरीर धारण करना।उ०- देह धरे कर यह फल भाई।भजहु राम सब काम बिहाई।तुलसी। |
| देह बिसरना | तन की सुध न रखना।होश हवास न रखना। |
| दैयन के | दई दई करके।किसी प्रकार कठिनता से।आश्चर्य,भय या दुःख सूचक शब्द जिसे स्त्रियां बोलती हैं।हे दई। हे परमेश्वर । उ०- बूझिहैं चवैया तब कैहों कहा, दैया। इत पारिगो का,भैया,मेरी सेज पै कन्हैया को। पद्माकर । |
| दैया दैया करके | बड़ी कठिनता से।उ०-कौन दुख दैया दैया सोचि उर धारयो मैं। ग्वा० । |
| दैव फटना | बहुत जोर से गर्जन-तर्जन के साथ वृष्टि होना। |
| दैव बरसना | पानी बरसना। |

| | |
|---|---|
| दैव लगना | (किसी पर)ईश्वर का कोप होना। |
| दो आंखें देखना | समान दृष्टि से न देखना। |
| दो एक | कुछ थोड़े। |
| दो कौड़ी का = जिसका कुछ मूल्य न हो। तुच्छ। निकम्मा। निकृष्ट। (खराब) | |
| दो घड़ियां साधना | तुरन्त मुहूर्त निकालकर उसके अनुसार कार्य करना। |
| दो चार | कुछ थोड़े। |
| दो चार होना | भेंट होना। मुलाकात होना। |
| दो जबान होना | झूठ सच बोलना। |
| दो दिन का | बहुत ही थोड़े समय का। उ०थ दिन द्वैक लौं बौघटु मैं पहुनाई। तुलसी। |
| दो दो चोंचे होना | कहा सुनी होना। कुछ लड़ाई झगड़ा होना। |
| दो दो दाने को फिरना | बहुत ही दरिद्र दशा में दूसरों से मांगते फिरना। |
| दो दो बातें करना | संक्षिप्त प्रश्नोत्तर करना। कुछ बातें पूछना और कहना |
| दो नावों पर चढ़ना | दो पक्षों का अवलम्बन करना। दो वस्तुओं का सहारा लेना। |
| दो नावों पर पैर रखना | दो पक्षों का अवलम्बन करना। दो पदार्थों का आश्रय लेना। उ०- दुइ तरंग दुइ नाव पावं धरि ते इहि कवन न मूठे। सूर। |
| दो सिर होना | मरने को तैयार होना। मौत को न्योता देना। |
| दोजी से होना | गर्भवती होना। |
| दोपहर ढलना | दोपहर के उपरान्त और समय बीतना। |
| दोष निकालना = अवगुण खोजना। | |
| दोष लगाना | लांछन या कलंक का आरोप करना। किसी के सम्बन्ध में यह कहना कि उसमें अमुक दोष है। |
| दौड़ दौड़ कर आना | जल्दी जल्दी आना। बार बार आना। |
| दौड़ दौड़ कर जाना | जल्दी जल्दी जाना। बार बार जाना। |
| दौड़ पड़ना | एक बारगी वेग के साथ गमन करना। |

दौड़ मारना — वेग के साथ जाना। दूर तक पहुंचना। लम्बी यात्रा करना। उद्योग में इधर उधर फिरना। कोशिश करना। दौड़ना।

दौड़ लगाना — दूर तक जाना या पहुंचना। दूर तक की यात्रा करना। उद्योग में कहीं बार-बार आना जाना। दौड़ना। वेग के साथ जाना।

दौर चलना — शराब के प्याले का बारी बारी पीनेवालों के पास लाया जाना।

दौरा करना — जांच पड़ताल या निरीक्षण के लिए अधिकारी का अपने इलाके में जाना।

दौरा सिपुर्द करना — मुकदमे को विचार या फैसले के लिए न्यायाधीश के पास भेजा जाना।

दौरा सिपुर्द होना — न्यायाधीश के पास विचार के लिए भेजा जाना।

दौरे पर जाना — अधिकारी का अपने अधिक्षेत्र में जांच-पड़ताल या निरीक्षण के लिए जाना।

दौरे पर रहना — जांच-पड़ताल या देख भाल के लिए अधिकारी का सदर से बाहर रहना।

दौरे पर होना — जांच-पड़ताल या देख-भाल के लिए अधिकारी का सदर से बाहर होना।

द्वार खुलना — किसी बात के बराबर होने के लिए मार्ग या उपाय निकलना।

द्वार द्वार फिरना — कार्य सिद्धि के लिए चारों ओर बहुत से लोगों के यहां जाना। घर घर भीख मांगना।

द्वार लगना — किवाड़ बन्द होना। किसी आसरे में दरवाजे पर खड़ा रहना। उ०- यह जान्यो जिय राधिका द्वारे हरि लागे। गर्व कियो जिय प्रेम को ऐसे अनुरागे। सूर। चुपचाप किसी बात की आहट लेने के लिए किवाड़ के पीछे छिपकर खड़ा होना।

द्वार लगाना — किवाड़ बन्द करना।